Thiophanate Methyl 70% WP

Milduvip®

Systemic Fungicide

It is a systemic fungicide containing Thiophanate Methyl 70% active ingredient and other balance adjuvants

Recommendation

Crop (s)	Common Name of Pest	Dosage / HA		Dilution in water (litre)	Waiting Period between last spray to harvest days
		AI gm	Formulation gm		
Pigeonpea	Fusarium wilt	1000	1430	750-1000	7
Cucurbits	Powdery mildew	1000	1430	750-1000	1
Wheat	Brown rust	500	715	750-1000	14
	Leaf blight	500	715	500	14
Tomato	Ring rot	500	715	750-1000	7
Papaya	Powdery mildew	500	715	750-1000	4-8
Bottle gourd	Anthracnose	1000	1430	750-1000	1
Apple	Scab	500	715	750-1000	3

Re-entry period: 24 hours.

Direction of Use: Knapsack sprayer, Foot sprayer, Compression Knapsack sprayer an ASPEE-HTP power sprayer etc.

Weather Condition(in general): Should be applied preferably in the morning and evening. Avoid applications under high wind. Apply during clear weather without rain.

Crop Stage for application: Vegetative stage to Flower and fruit setting stage.

Manner and Time of Application: Apply when plants begin to put out runners or when disease first appears Make repeat applications at 7 to 14 day intervals as needed.

Stages during which fungicide should not be applied on any crop : Not to be applied during crop maturity and just before crop harvest.

Precautions: 1. Keep away from foodstuffs, empty foodstuff containers and animals food. 2. Avoid contact with mouth, eyes and skin. 3. Avoid inhalation the spray mist. Spray in the direction of wind. 4. Wash thoroughly the contaminated clothes and part of the body after spraying. 5. Do not smoke, drink, eat and chew anything while spraying. 6. Wear full protective clothing while mixing and spraying.

Precautions to be taken to avoid harm to the beneficial insects like honey bees and natural enemies of pests.

Symptoms of Poisoning: Nausea, vomiting, abdominal pain, diarrhoea, tremor, irritation tobronchii and lungs may occur.

First Aid : 1. If swallowed, induce vomiting by ticking the back of throat. Repeat it until the vomitus is clear. Do not induce vomiting if the patient is unconscious. 2. If clothing and skin are contaminated, remove the clothes and wash the contaminated skin with copious amount of soap and water. 3.If eyes are contaminated, flush with plenty of saline/clean water for about 10 to 15 minutes.4. If inhaled, remove the patient to fresh air. 5. Incase any sign of poisoning, immediately consult the doctor.

Antidote: No specific anti-dote is know. Treat symptomatically.

Disposal of Used Container: 1. It shall be the duty of manufactures formulators and operator to dispose packages or surplus materials and wastings from the machine and container shall be disposed off in a safe manner so as to prevent environmental and water pollution. 2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use. 3. Packages shall be broken and burried away from habitation.

Storage Conditions:1. The packages containing the fungicide shall be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles or shall be kept in separate almirahs under lock & key depending upon the nature and quality of material. 2. The rooms or premises meant for storing the material shall be well built, dry, well lit, ventilated and sufficient dimensions to avoid contamination with vapours.

Warning: 1. Not to be used on crops and pests other than those mentioned on label and leaflets, 2. Not to be used for Post-Harvest Application. 3. Destroy the container after use as directed on leaflet.

Caution: 1. This product is toxic to honey bees. do not spray drift into flowering or flowering crops. Do not spray during active bee foraging period of day. 2 .Toxic to fish. this product may be avoided near aquaculture. 3 . Toxic to earthworms Read and understand leaflet before use. Dangerous to reuse empty containers

Chemical Composition :

Thiophanate Methyl Tech. (based on 94% w/w)	74.46% w/w
Precipitated silica	17.54% w/w
Sticking agent (Glue)	2.00% w/w
Suspending agent (CMC)	2.00% w/w
Wetting agent (Alkyl Aryl) sulphonate (Idet-10)	2.00% w/w
Dispersing agent alkyl naptheyl sulphonate tamol D-N	2.00% w/w
Total	100.00% w/w

थायोफेनेट मिथाइल ७० प्रतिशत घुलनशील पाउडर

मिलडयूविप

(अंतर्प्रवाही फफूंदीनाशक)

यह एक अंतर्वाहीं फफूंदीनाशक हैं जिसमें भार के हिसाब से ७० प्रति.सक्रिय तत्व थायोफेनेट मिथाइल है और बाकी अन्य सहयोगी पदार्थ हैं।

उपयोग:

फसल	कीट के नाम	प्रति हैक्टेयर मात्रा		पानी की मात्रा लीटर	अन्तिम छिडकाव तथा फसल काटने के बीच अन्तराल दिनो में
		स.तत्व ग्राम	संरचना ग्राम		
अरहर	म्लानी रोग	1000	1430	750-1000	7
खीरा वंश फसले	चूर्णी फफूंदी	1000	1430	750-1000	1
गेहूँ	भूरा किटट	500	715	750-1000	14
	पर्ण अंगमारी	500	715	500	14
टमाटर	मुंदरी विगलन	500	715	750-1000	7
पपीता	चूर्णी फफूँदी	500	715	750-1000	4-8
लौकी	आंसिता रोग	1000	1430	750-1000	1
सेब	पामा	500	715	750-1000	3

पुन: प्रविष्टि: २४ घंटे।

उपयोग के लिए निर्देश : पीठ पर बांध कर उपयोग करने वाला छिडकाव यंत्र हस्त चालित पैर चालित, दबाव चालित एवं शक्ति चालित छिडकाव यंत्र और ए.एस.पी. ई. ई–एच.टी.पी. छिडकाव यंत्र का प्रयोग करें।

मौसम की स्थिति (सामान्य तौर पर) : सुबह और शाम को लगाना चाहिए। तेज हवा में आवेदन करने से बचें। बिना बारिश के साफ मौसम में लगायें।

अनुप्रयोग के लिए फसल अवस्था: वनस्पति अवस्था से फूल और फल लगने की अवस्था तक।

लगाने का तरीका और समय: जब पौधों में अंकुर निकलने लगे या जब रोग पहली बार दिखाई दे तब प्रयोग करें। आवश्यकतानुसार ७–१४ दिन के अंतराल पर दोबारा प्रयोग करें।

वे चरण जिनके दौरान किसी भी फसल पर फफूंदीनाशकों का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए: फसल की परिपक्वता के दौरान और फसल की कटाई से ठीक पहले नहीं लगाया जाना चाहिए।

प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियां: १. खाद्यसामग्री, खाद्य सामग्री के खाली बर्तन और पशुओं के चारे से दूर रखें। २. मुंह, त्वचा और आंखों के संम्पर्क से बचायें। ३. छिडकाव की वाष्प को सांस द्वारा अन्दर जाने से बचायें। हवा की दिशा मे छिडकाव करें। ४. छिडकाव के बाद दूषित कपडों और शरीर के अंगो को अच्छी तरह धोएं।५. छिडकाव के समय धुम्रपान, खाना, पीना और कुछ चबाना नहीं चाहिए। ६. छिडकाव करते या मिलाते समय पूर्ण सुरक्षात्मक कपडे पहनें।

शहद की मक्खियों और कीटों के प्राकृतिक शत्रुओं जैसे लाभकारी कीडों से नुकसान से बचाने के लिए बरती जाने वाली सावधानियां

विष के लक्षण : कंपकंपी, मितली, उल्टी, पेट में दर्द, दस्त, मांस की नली और फेफडो में जलन हो सकते है।

प्राथमिक चिकित्सा : १. यदि निगल जाये तो गले के पीछे गुदगुदी करके उल्टी करायें यह क्रिया तब तक दोहराते रहे जब तक उल्टी द्वारा निकला पदार्थ साफ न हो जाए। यदि मरीज बेहोश हो तो उल्टी न करायें। २. यदि कपडे और त्वचा दूषित हो जाए तो कपडें उतार दें और दूषित त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं। ३. यदि आंखे दूषित हो जाये तो उनको काफी मात्रा में सैलाइन/साफ पानी से लगभग १०–१५ मिनट तक धोएं। ४. यदि सांस द्वारा अन्दर गया हो तो रोगी को शुद्ध हवा में लें जायें। ५. विषाक्तता का कोई भी लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।

विष नाशक : कोई विशिष्ठविषनाशक नही है। लक्षणानुसार इलाज करें।

खाली डिब्बों का निपटारा : १. फफूंदनाशक निर्माताओं या उपयोग कर्ता का कर्तव्य हैं की डिब्बों या पात्रों को तोड फोडकर आबादी से दूर जमीन मे गाड देना चाहिए। २. प्रयोग किये गये डिब्बों को दुबारा प्रयोग के लिये बाहर खुला न छोडे। ३. डिब्बों या बची हुई फफूंदनाशक या धोवन का निपटारा इस प्रकार करें की जिससे आसपास की चीजें, पीने का पानी दुषित न हो।

संग्रहण की शर्तें: १. फफूंदीनाशक के पैकटों को फफूंदनाशक के प्रकार व परिणाम के अनुसार अलग अलग कमरों अथवा अलमारियों में जो खाने पीने वाली वस्तुएं के संग्रह के कस्ने वाले जगहों अथवा कमरों से अलग हों, ताला चाबी में अलग अलग रखना चाहिए। २. जिस कमरे अथवा जगह में फफूंदनाशक को भंडारण करना हो वह अच्छी तरह बना हुआ, सूखा, प्रकाश व हवादार तथा पर्याप्त लम्बा चौडा होना चाहिए जिससे फफूंदनाशक की भाप से प्रदूषण पैदा होना का खतरा न रहे।

चेतावनी : १. लिफलेट और लेबल मे सिफारिश किये हुए फसलों और किट के सिवा अन्य पर इस्तेमाल न करें। २. फसल कटाई के बाद किये जाने वाले अन्य उपचार मे शामिल न करें। ३. इस्तेमाल के बाद डब्बों को लिफलेट मे दिये हुवे तरीके से नष्ट करें।

सावधानी: १. यह उत्पाद मधुमक्खियों के लिए जहरीला है। फूलों या फूल वाली फसलों में ड्रिफ्ट का छिडकाव न करें। दिन की सक्रिय मधुमक्खी चारा खोज अवधि के दौरान छिडकाव न करें। २. मछली के लिए विषैला। जल कृषि के निकट इस उत्पाद से बचा जा सकता है। ३. केंचुओं के लिए विषैला उपयोग करने से पहले पत्रक पढें और समझें।

खाली डिब्बों को दुबारा उपयोग करना खतरनाक है।

रासायनिक संरचना :

थायोफैनेट मिथाइल टैकि. (भारानुसार ९४ प्रतिशत स.त. पर आधारित)	७४.४६%भार/भार
प्रेसीपिटेड सिलिका	१७.५४%भार/भार
स्टिकिंग एजेन्ट (ग्लू)	२.००%भार/भार
सस्पेंडिंग एजेंन्ट (सी.एम.सी.)	२.००%भार/भार
वेटिंग एजेन्ट (एलकाइल एराइल) सल्फोनेट (आई डी ई टी–१०)	२.००%भार/भार
डिस्पर्सिंग एजेन्ट एल्काइल नैपथिल सल्फोनेट तमौल डी–एन	२.००%भार/भार
योग	१००.००% भार / भार

थायोफिनेट मिथाइल ७०% डब्ल्यू. पी.

मिलडयूविप

आंतरप्रवाही बुरशीनाशक

हे एक स्पर्शजन्य परीणामकारक बुरशीनाशक आहे. ज्यात भारानुसार सक्रिय तत्व थायोफिनेट मिथाइल 70 % आहे व इतर अन्य सहभागी पदार्थ आहेत.

उपयोग

पीक	रोगाचे नाव	दर हेक्टरी मात्रा		फवारणी करता पाणी लीटर	शेवटची फवारणी व कापणी ह्यामधील प्रतीक्षा कालावधी दिवसात
		स.तत्व ग्राम	रसायन ग्राम		
तूर	फ्युजेरीयम वील्ट	1000	1430	750-1000	7
काकडी वर्गीय पिके	भूरी	1000	1430	750-1000	1
गहू	ब्राउनरस्ट	500	715	750-1000	14
	पानावरील करपा	500	715	500	14
टोमॅटो	रिंग रॉट	500	715	750-1000	7
पपई	भूरी करपा	500	715	750-1000	4-8
भोपळा	करपा	1000	1430	750-1000	1
सफरचंद	व्रेडा	500	715	750-1000	3

पुन: प्रवेश कालावधी: २४ तास.

उपयोगाची साधने : पाठीवर बांधून उपयोगात येणारे फवारणी यंत्र हात पंप, पाय पंप किंवा कॉम्प्रेशन पंप आणि ए.एस.पी.ई.ई-एच.टी.पी. पॉवर फवारणी यंत्राचा उपयोग करू शकता.

हवामान स्थिती (सर्वसाधारण पणे) : शक्यतो सकाळी आणि संध्याकाळी फवारावे. जोरदार वारा अंतर्गत फवारणी अनुप्रयोग टाळा. पावसाशिवाय स्वच्छ हवामानात फवारणी करा.

फवारणीसाठी पीकाची अवस्था : वनस्पतिवत होणारी अवस्था ते फुले आणि फळ बसण्याची अवस्था.

फवारणी करण्याची पध्दत आणि वेळ : जेव्हा झाडे बाहेर पडू लागतात किंवा रोग पहिल्यांदा दिसतात तेव्हा फवारणी करा आवश्यकतेनुसार ७ ते १४ दिवसांच्या अंतराने पुनरावृत्ती करा.

त्या अवस्थेत कोणत्याही पिकावर बुरशीनाशकाची फवारणी करू नये: पीक परिपक्वतेच्या वेळी आणि पीक काढणीपूर्वी फवारणी करू नये.

उपयोग कर्त्यासाठी सुचना : १. खाद्य सामुगी, खाद्य सामुग्रीची रिकामी भाडी आणि पशु खाद्यापासून दूर ठेवा. २. तोंड, त्वचा आणि डोळ्याच्या बरोबर संपर्क टाळा. ३. फवारणीच्या वाफा श्वसनाद्वारे आंत जाणार नाही ह्याची काळजी घ्या. हवेच्या दिशेने फवारणी करा. ४. फवारणी नंतर दुषित कपडे आणि शारीरिक भाग धांगल्या तऱ्हेने धुवा. ५.फवारणी करताना धुम्रपान, खाणे, पिणे आणि चघळणे निषिद्ध आहे. ६. फवारणी करताना वा मिश्रण करताना्या वेळी सुरक्षात्मक कपडे घाला.

फायदेशीर कीटक जसे की मधमाश्या आणि कीटकांचे नैसर्गिक शत्रू यांचे नुकसान टाळण्यासाठी घ्यावयाची खबरदारी.

विषबाधेची लक्षणे : मळमळ, उल्टी, पोटात दुखणे, अतिसार श्वास नलिका आणि फुफ्फुसात जळजळ होते.

प्रथमोपचार: १) जर गिळले गेले तर, गळ्यापाठी गुदगुली करून उल्टी करवावी. हीच क्रिया तो पर्यंत करीत रहावी जो पर्यंत उल्टी द्वारे निघालेला पदार्थ साफ होईल. जर रूग्ण बेशुद्ध असेल तर उल्टी करवू नये. २) जर कपडे आणि त्वचा दूषित झाली तर कपडे काढा व दूषित त्वचा भरपूर साबण आणि पाण्याने धुवा. ३) जर डोळे दुषित झाले तर, त्यांना भरपूर प्रमाणात सलाइन/स्वच्छ पाण्याने जवळ-जवळ १०-१५ मिनिटे धुवा. ४) जर श्वासाद्वारे आत गेले तर, रूग्णास शुद्ध हवेत आणा.५) विषबाधाची कोणतीही चिन्हे आढळल्यास, ताबडतोब डॉक्टरचा सल्ला घ्या

औषधोपचार : काही विशिष्ट विषनाशक नाही. लक्षणानुसार उपचार करा.

रिकाम्या डब्यांची विल्हेवाट : १. बुरशीनाशक निर्माते वा उपयोग करणाऱ्यांचे कर्तव्य आहे की डबे वा भाड्यांना तोडुन लोकवस्ती पासून दूर जमिनीत गाडावुन टाकावे. २. वापरून रिकामी झालेले डबे पुन्हा वापरण्यासाठी बाहेर उघडे ठेवू नयेत. ३. डबे वा राहिलेले बुरशीनाशक वा धुतलेले पाणी ह्याची विल्हेवाट सुरक्षित प्रकारे आणि पर्यावरण किंवा पाणी दुषित होणार नाही ह्याची काळजी घेऊन करावी.

साठवणूक : १. बुरशीनाशक असणारी पॅकेजिस इतर माल विशेषतः खाद्य पदार्थ साठवण्यासाठी वापरल्या जाणाऱ्या खोल्या, जागा यापासून दूरच्या खोल्यात जागेत साठवण करुन ठेवायाति किंवा त्याचे प्रमाण किंवा स्वरुप लक्षात घेऊन वेगवेगळ्या कपाटात कडी कुलपात ठेवावी. २. बुरशीनाशकांच्या साठवणी करता असलेल्या खोल्या, जागा वांगल्या उजेडाच्या, वांगल्या बांधलेल्या, कोरड्या, थंड, हवा खेळती रहाणाऱ्या आणि पुरेशा हवेशीर असाव्या.

सुचना : १. लिफलेट आणि लेबल मध्ये सुचीत केलेल्या पिक आणि किटकांच्या शिवाय अन्य वर ह्याचा वापर करु नये. २. पिक कापणी नंतर केल्या जाणाऱ्या उपाय योजनेत ह्याचा समावेश नसावा. ३. वापरा नंतर डबे लिफलेट मध्ये दिल्या नुसार नष्ट करावे.

खबरदारी : १) हे उत्पादन मधमाशीसाठी विषारी आहे. फुलांच्या किंवा फुलांच्या पिकांवर वाहून जाण्याची फवारणी करू नका. दिवसाच्या सक्रिय मधमाशी चारा कालावधी दरम्यान फवारणी करु नका. २) माशांना विषारी. हे उत्पादन मत्स्यपालना जवळ टाळले जावू शकते. ३) गांडुलांसाठी विषारी वापरण्यापूर्वी पत्रक वाचा आणि समजून घ्या . **४) रिकामी डबे पुन्हा वापरणे धोकादायक.**

रासायनिक संरचना :

थायोफेनेट मिथाइल टेक्. (94 % व.व. स.त. वर आधारित) 74.46 % व / व

प्रिसिपिटेड सिलिका 17.54 % व / व

स्टिकिंग एजेन्ट (ग्लू) 2.00 % व / व

सस्पेंडिंग एजेन्ट (सी.एम.सी.) 2.00 % व / व

वेटिंग एजेन्ट (अल्काइल अरील) सल्फोनेट (आई डी ई टी-10) 2.00 % व / व

डिस्पेर्सिंग एजेन्ट एल्काइल नैपथिल सल्फोनेट टेमॉल डी-एन 2.00 % व / व

एकूण 100.00 % व / व

ಥಾಯೊಫಿನೇಟ್ ಮಿಥೈಲ್ ೨೦% ಡಬ್ಲ್ಯೂ.ಪಿ.

ಮಿಲಡಯೂವಿಪ

ಆಂತರಪ್ರವಾಹಿ ಶೂಲಿನಾಶಕ

ಎ ಎಕ ಅಸರಕಾರಕ ಆಂತರಪ್ರವಾಹಿ ಫ್ಯೂಗನಾಶಕ ಆಗಿದೆ ಇದು ೭೦% ವ/ವ ಥಾಯೊಫೈನೇಟ ಮಿಥಾಇಲ ಸಕ್ರಿಯ ಘಟಕ ತರಿಕೆ ಮತ್ತು ಬಾಕಿಗಾಗಿ ಪೂರಕ ದ್ರವ್ಯಗಳು ಆಗಿವೆ.

ಭಲಾಮಸೊ :

ಪಾಕ	ರೋಗಾನ್ನ ನಾಮ	ಹೆಕ್ಟರ ದಿಂ ಪ್ರಮಾಣ		ಅಂಟಕಾವ ಕರವಾ ಮಾಟೆ ಪಾಣಿ ಲಿಟರ	ಶೆವಟಲಾ ಅಂಟಾವಣಿ ಕಾಪಣಿ ಸುಧಿ ಪ್ರತೀಕ್ಷಾ ಗಾಲಾ (ದಿವಸೊ)
		ಸ. ಘಟಕ ಗ್ರಾಮ	ಔವಾ ಗ್ರಾಮ		
ತುವರ	ಫ್ಯುಸಾರಿಯಮ ವಿಲ್ಟ	1000	1430	750-1000	7
ಕಾಕಡಿ ವರ್ಗೀಯ ಪಿಕೆ	ಶಾರೊ	1000	1430	750-1000	1
ಗಹೂ	ಬ್ರೌನ್ ರಸ್ಟ	500	715	750-1000	14
	ಪಾನಾವರೀಲ ಕರಪಾ	500	715	500	14
ಟಮಾಟರ	ರಿಂಗ್ ರಾಟ್	500	715	750-1000	7
ಪಪಯಾ	ಪೌಡರಿ ಮಿಲ್ಡ್ಯೂ	500	715	750-1000	4-8
ಲೌಕಿ	ಆಂಥ್ರೆಕ್ನೋಸ್	1000	1430	750-1000	1
ಸೆಬ	ಸ್ಕ್ಯಾಬ್	500	715	750-1000	3

ಪುನಃ ಪ್ರವೇಶ ಅವಧಿ : ೭ ಗಂಟೆಗಳು

ವಾಪರವಾಣಿ ದೀತ : ನೆಪಸೆಕ ಸ್ಪೆಅರ, ಫುಟಸ್ಪೆಅರ, ಕಮ್ಪ್ರೆಶಾ ನೆಪಸೆಕ ಅಣಿ ಎಸ.ಪಿ.ಪಿ. ಪಾವರ ಸ್ಪೆಅರ ವಗೆರೆ.

ಹವಾಮಾನಣಿ ಸ್ಥಿತಿ (ಸಾಮಾನ್ಯ ದೀತೆ): ಆಸಾ ಠಣಿಕಿ ಸಾವಾಣೆ ಅಣಿ ಸಂಜಾ ಸಾಮವೆ ಅಂಟಕಾವ ಕರವಾ ಜೊಣಿಅ. ಭಾರೆ ಪವನ ಹೆಂಡಿ ಅಂಟಕಾವ ಟಾಂಗಿ. ವಸ್ಸಾಠ ವಿಣಾ ಹವಾಮಾನ ಜಾಹ ಹೊವ ವ್ವಾಟೆ ಅಂಟಕಾವ ಕರಿ.

ಅಂಟಕಾವ ಮಾಟೆ ಪಾಕಣಿ ದಾಬಕ್ಕಾ: ವನಪ್ಪತಿಣಾ ದಾಬಕ್ಕಾಥಿ ಫೂಲ ಆಾವಾ ಅಣಿ ಫಳ ಬೆಸಾವಾಣಾ ದಾಬಕ್ಕಾ ಲುಥಿ.

ಅಂಟಕಾವಣಿ ದೀತ ಅಣಿ ಸಾಮಯ: ಲೊಕ ಅಲಿವಾಣುಂ ಶುರೂ ಥಾಯ ಅಥವಾ ರೋಗ ಪ್ರಥಮ ಕಿಂಗಾ. ಕಿ ವ್ವಾಟೆ ಅಂಟಕಾವ ಕರಿ. ಆವಶ್ಯಕತೆನುಸಾರ ೭ ಥಿಂ ೧೪ ದಿವಸಾಂಗಾ ಅಂತರಾಣೆ ಅಂಟಕಾವ ಕರಿ.

ಫೂಗಾನಾಶಕಾಣಿ ಕೊಣಿ ಪಣಾ ಪಾಕ ಪರ ಉಪಯೋಗ ಗಣಿ ಕರವಾ ಜೊಣಿಅ ವ್ವಾಟೆ ದಾಬಕ್ಕಾ: ಪಾಕಣಿ ಪರಿಪಕ್ವತೆಚಾ ಠಣಿಕಿಸಾಣ ಅಣಿ ಪಾಕಣಿ ಲಣಾಣಿ ಪೂರ್ವೆ ಅಂಟಕಾವ ಗಣಿ ಕರವಾ ಜೊಣಿಅ.

ಸಾವಚೆತಿ : ೧. ಫೂಗಾನಾಶಕ ಔವಾಂಚೆ ಖಾಣ ಪಶಾರ್ಥ, ಖಾಣ ಪಶಾರ್ಥ ಮಾಟೆ ವಪರಾವಾ ವಾಸಾಣಿ ಅಣಿ ಪಶು ಖಾಣಿಥಿ ದೂರ ಠಾಂವಾ. ೨. ಮೊಡೂ, ಅಂಗಾ ಅಣಿ ವ್ವಾಚಾ ಸಾಥಿ ಸಂಸರ್ಗ ಟಾಂವಾ. ೩. ಅಂಟಕಾವಣಾ ಕಾಂಟಾ ಶ್ವಾಸಾಣಾ ಅಣಿ ಹೆವಾಣಿ ದಿಶೆಣಾ ಅಂಟಕಾವ ಕರವಾ. ೪. ಅಂಟಕಾವ ಕರಿತಾಂ ಧುಮ್ಪಾನ, ಖಾಣೂ, ಪಿಣೂ ಅಣಿ ಚಬಲಾಣಿ ನಿಷಿದ್ಧ ಆಹೆ. ೬. ಫವಾರಣಿ ಕರತಾಂವಾ ವಾ ಮಿಶ್ರಣ ಕರತಾನಾಯಾ ವೆಳಿ ಸುರಕ್ಷಾತ್ಮಕ ಕಪಡೆ ಘಾಲಾ.

ಫಾಯದೇಶೀರ ಕೀಟಕ ಜಸೆ ಕಿ ಮಧಮಾಶಾ ಆಣಿ ಕೀಟಕಾಂಚೆ ನೆಸರ್ಗಿಕ ಶತ್ರೂ ಯಾಂಚೆ ನುಕಸಾನ ಟಾ�ळಾಯಾಸಾಠಿ ಘ್ಯಾವಯಾಚಿ ಖಬರದಾರಿ.

ವಿಷಬಾಧೆಚಿ ಲಕ್ಷಣೆ : ಮಳಮಳ, ಉಲ್ಟಿ, ಪೊಟಾತ ದುಖಣೆ, ಅತಿಸಾರ ಶ್ವಾಸ ನಲಿಕಾ ಆಣಿ ಫುಫ್ಫಾಸಾತ ಜಳಜಳ ಹೊತೆ.

ಪ್ರಥಮೋಪಚಾರ: ೧) ಜರ ಗಿಳಲೆ ಗೆತ ತರ, ಗಳ್ಯಾಪಾಠಿ ಗುದ್ಗುಲಿ ಕರಲಾ ಉಲ್ಟಿ ಕಾವಾವಿ. ಹೀಚ ಕ್ರಿಯಾ ತೊ ಪರ್ಯಂತ ಕಾಯೆತ ಕಾವಾವಿ ಜರ ಗಿಳಲೆಲಾ ಪದಾರ್ಥ ಸಾಫ ಹೊಇಲ. ಜರ ಕಾಯಿ ಬೆಹೊಶ ಹೊವ, ತೊ ಉಲ್ಟಿ ಕಾವಾವಾ ಪ್ರಯತ್ನ ಕರಿ. ೨)ದೂಷಿತ ಝಾಲೆಲಾ ಕಪಡಾಂ ಕಾಢಿ ಶರೀರಾಚಾ ಅಂಗಾ ದೂಷಿತ ಝಾಲೆಲಿ ಜಾಗಾ ಪುಷ್ಕಳ ಪಾಣ್ಯಾನೆ ಅಣಿ ಸಾಬುವಿಸಿ ಧೊಇ ಕಾಂಬಿ ೩) ಜರ ಡೊಳೆ ದೂಷಿತ ಝಾಲೆ ತರ, ತ್ಯಾಂಚಾ ಭರಪೂರ ಪ್ರಮಾಣಾತ ಸಲಾಣಿ/ಸ್ವಚ್ಛ ಪಾಣ್ಯಾನೆ ಜವಳ-ಜವಳ ೧೦-೧೫ ಮಿನಿಟೆ ಧುವಾ. ೪) ಜರ ಶ್ವಾಸಾಪಾಠೆ ಆತ ಗೆತ ತರ, ರೂಗಾಸ ಶುದ್ಧ ಹವೆತ ಆಣಾ.೫) ವಿಷಬಾಧಿಚಿ ಕೊಣತೀಬಿ ಚಿನ್ಹೆ ಆಢಳಲ್ಯಾಸ, ತಾಬಡತೋಬ ಡಾಕ್ಟರಚಾ ಸಲ್ಲಾ ಘ್ಯಾ

ಔಷಧೋಪಚಾರ : ಕಾಹಿ ವಿಶಿಷ್ಟ ವಿಷನಾಶಕ ನಾಹಿ. ಲಕ್ಷಣಾನುಸಾರ ಉಪಚಾರ ಕರಾ.

ರಿಕಾಮ್ಯಾ ಡಬ್ಬಾಂಚಿ ವಿಲ್ಹೇವಾಟ : ೧. ಬುರಶೀನಾಶಕ ನಿರ್ಮಾತೆ ವಾ ಉಪಯೋಗ ಕರಣಾರ್‍ಯಾಂಚೆ ಕರ್ತವ್ಯ ಆಹೆ ಕಿ ಡಬೆ ವಾ ಪಾತ್ರಾಂಚಾ ತೊಡುನ ಲೊಕವಸ್ತಿ ಪಾಸೂನ ದೂರ ಜಮಿನೀತ ಗಾಡವುನ ಟಾಕಾವೆ. ೨. ವಾಪರೂನ ರಿಕಾಮಿ ಝಾಲೆಲೆ ಡಬೆ ಪುನಾ ವಾಪರಣ್ಯಾಸಾಠಿ ಬಾಹೇರ ಉಘಡೆ ಠೆವೂ ನಯೇತ. ೩. ಡಬೆ ವಾ ರಾಹಿಲೆಲೆ ಬುರಶೀನಾಶಕ ವಾ ಧುತಲೆಲೆ ಪಾಣಿ ಹ್ಯಾಚಿ ವಿಲ್ಹೇವಾಟ ಸುರಕ್ಷಿತ ಪ್ರಕಾರೆ ಆಣಿ ಪರ್ಯಾವರಣ ಕಿಂವಾ ಪಾಣಿ ದೂಷಿತ ಹೊಣಾರ ನಾಹಿ ಹ್ಯಾಚಿ ಕಾ�ळಜಿ ಘೆಊನ ಕರಾವಿ.

ಸಾಠವಣೂಕ : ೧. ಬುರಶೀನಾಶಕ ಅಸಣಾರಿ ಪ೅ಕಿಜಿಸ ಇತರ ಮಾಲ ವಿಶೇಷತಃ ಖಾದ್ಯ ಪದಾರ್ಥ ಸಾಠವಣ್ಯಾಸಾಠಿ ವಾಪರಲ್ಯಾ ಜಾಗಾಚಾ ಖೋಲ್ಯಾ, ಜಾಗಾ ಯಾಪಾಸೂನ ದೂರಚ್ಯಾ ಖೋಲ್ಯಾತ ಜಾಗೇತ ಸಾಠವಣ ಕರಾಣ ಠೆವಾವಿತ ಕಿಂವಾ ತ್ಯಾಚೆ ಪ್ರಮಾಣ ಕಿಂವಾ ಸ್ವರೂಪ ಲಕ್ಷಾತ ಘೆಊನ ಸಾಠವಣ ಕರಾಣ ಠೆವಾವಿತ ಕಿಂವಾ ತ್ಯಾಚೆ ಪ್ರಮಾಣ ಕಿಂವಾ ಸ್ವರೂಪ ಲಕ್ಷಾತ ಘೆಊನ ವೆಗವೆಗಳ್ಯಾ ಕಪಾಟಾತ ಕಡಿ ಕುಲಪಾತ ಠೆವಾವಿ. ೨. ಬುರಶೀನಾಶಕಾಂಚ್ಯಾ ಸಾಠವಣಿ ಕರತಾ ಅಸಲೆಲ್ಯಾ ಖೋಲ್ಯಾ, ಜಾಗಾ ವಾಂಗಲ್ಯಾ ಉಜೆಡಾಚ್ಯಾ, ವಾಂಗಲ್ಯಾ ಬಾಂಧಲೆಲ್ಯಾ, ಕೊರಡ್ಯಾ, ಥಂಡ, ಹವಾ ಖೆಳತಿ ರಹಾಣಾರ್‍ಯಾ ಆಣಿ ಪುರೇಶಾ ಹವೇಶೀರ ಅಸಾವ್ಯಾ.

ಸುಚನಾ : ೧. ಲಿಫಲೆಟ ಆಣಿ ಲೇಬಲ ಮಧ್ಯೆ ಸುಚೀತ ಕೆಲೆಲ್ಯಾ ಪಿಕ ಆಣಿ ಕಿಟಕಾಂಚ್ಯಾ ಶಿವಾಯ ಅನ್ಯ ವರ ಹ್ಯಾಚಾ ವಾಪರ ಕರು ನಕೆ. ೨. ಪಿಕ ಕಾಪಣಿ ನಂತರ ಕೆಲ್ಯಾ ಜಾಣಾಯಾ ಉಪಾಯ ಯೊಜನೆತ ಹ್ಯಾಚಾ ಸಮಾವೆಶ ನಸಾವಾ. ೩. ವಾಪರಾ ನಂತರ ಡಬೆ ಲಿಫಲೆಟ ಮಧ್ಯೆ ದಿಲ್ಯಾ ನುಸಾರ ನಷ್ಟ ಕರಾವೆ.

ಖಬರದಾರಿ : ೧) ಹೆ ಉತ್ಪಾದನ ಮಧಮಾಶಿಸಾಠಿ ವಿಷಾರಿ ಆಹೆ. ಫುಲಾಂಚ್ಯಾ ಕಿಂವಾ ಫುಲಾಂಚ್ಯಾ ಪಿಕಾಂವರ ವಾಹೂನ ಜಾಯ್ಯಾಚಿ ಫವಾರಣಿ ಕರೂ ನಕಾ. ದಿವಸಾಚ್ಯಾ ಸಕ್ರಿಯ ಮಧಮಾಶಿ ಚಾರಾ ಕಾಲಾವಧಿ ದರಮ್ಯಾನ ಫವಾರಣಿ ಕರೂ ನಕಾ. ೨) ಮಾಶಾಂಸಾಠಿ ವಿಷಾರಿ. ಹೆ ಉತ್ಪಾದನ ಮತ್ಸ್ಯಪಾಲನಾ ಜವಳ ಟಾಳಲೆ ಜಾವೂ ಶಕತೆ. ೩) ಗಾಂಡುಲಾಂಸಾಠಿ ವಿಷಾರಿ ವಾಪರಣ್ಯಾಪೂರ್ವೀ ಪತ್ರಕ ವಾಚಾ ಆಣಿ ಸಮಜೂನ ಘ್ಯಾ . **೪) ರಿಕಾಮಿ ಡಬೆ ಪುನಾ ವಾಪರಣೆ ಧೋಕಾದಾಯಕ.**

ರಾಸಾಯನಿಕ ಸಂರಚನಾ :

ಥಾಯೌಫೆನೆಟ್ ಮಿಥೈಲ್ ಟೆಕ್ (ಭಾರಾನುಸಾರ ೯೪ ಪ್ರತಿಶತ ಸ.ತ. ಪರ ಆಧಾರಿತ)	೪೬.೪೬%ಭಾರ/ಭಾರ
ಪ್ರಿಸಿಪಿಟೆಡ ಸಿಲಿಕಾ	೧೭.೪೪%ಭಾರ/ಭಾರ
ಸ್ಟಿಕಿಂಗ್ ಎಜೆಂಟ್ (ಗ್ಲೂ)	೨.೦೦%ಭಾರ/ಭಾರ
ಸಸ್ಪೆಂಡಿಂಗ್ ಎಜೆಂಟ್ (ಸಿ.ಎಮ್.ಸಿ.)	೨.೦೦%ಭಾರ/ಭಾರ
ವೆಟಿಂಗ್ ಎಜೆಂಟ್ (ಎಲ್‌ಕಾಇಲ ಎರಾಇಲ್) ಸಲ್ಫೊನೆಟ್ (ಆಇಡಿ ಇ-೧೦)	೨.೦೦%ಭಾರ/ಭಾರ
ಡಿಸ್ಪರ್ಸಿಂಗ್ ಎಜೆಂಟ್ ಎಲ್‌ಕಾಇಲ ನೆಪ್ಥಿಲ ಸಲ್ಫೊನೆಟ್ ತಮೌಲ ಡಿ–ಎನ್	೨.೦೦%ಭಾರ/ಭಾರ
ಯೋಗ	೧೦

தியோபானேட் மெதைல் 70% டபிள்யூபி
மில்டுவிப்
ஊடுருவிச் செயல்படும் பூஞ்சாணக்கொல்லி

இது ஊடுருவிச் செயல்படும் பூஞ்சாணக் கொல்லி. இதில் தியோபானேட் மெதைல் 70% செயல்படும் பகுதிப்பொருள் மற்றும் இதர நீதி துணைப்பொருட்கள் அடங்கியுள்ளன.

பரிந்துரை

பயிர்கள்	பூச்சியின் பொதுப் பெயர்	அளவு/ ஹெக்டேர்		கரைக்கும் நீர் அளவு (லிட்)	கடைசி தெளிப்புக்கும் அறுவடைக்கும் இடையே காத்திருப்பு நாட்கள்
		நீர்மு. (கிராம்)	மருந்து (கிராம்)		
பட்டாணி	சிப்பூஞ்னாயிம் வாடல்	1000	1430	750-1000	7
வெள்ளரி	காம்பல் நோய்	1000	1430	750-1000	1
தோழுமை	பிஞ்சுள் துரு நோய்	500	715	750-1000	14
	இலைக் கருகல்	500	715	500	14
தக்காளி	நிழ் அழுகல்	500	715	750-1000	7
பப்பாளி	காம்பல் நோய்	500	715	750-1000	4-8
கரைக்காய்	சூஷ்ரோனோஸ்	1000	1430	750-1000	1
ஆப்பிள்	மாவுத் தேமல்	500	715	750-1000	3

மருந்து தெளித்த பிறகு நடமாட்டம்: 24 மணி நேரம்

பயன்படுத்த குறிப்புகள் : நாப்காக் தெளிப்பான், கால் தெளிப்பான், கம்ப்ரஷன் நாப்சாக் தெளிப்பான், அல்ப்-சர்டிபி பவர் தெளிப்பான் முதலியவை.

வானிலை நிலவரம் (பொதுவாக): பொதுவாக காலை அல்லது மாலை நேரத்தில் மருந்துகளை தெளிக்க வேண்டும். பலமாகக் காற்று வீசும் போது மருந்துகளை தெளிக்கக் கூடாது. வானம் தெளிவாகவும் மழை பொழியாமல் இருக்கும் போது மருந்துகளை தெளிக்க வேண்டும்.

மருந்து தெளிப்பும் பயிர் பருவம்: இலை தழைகளுடன் வளர்ந்து பூக்க ஆரம்பிக்கும் போதும், காய் உருவாகும் போதும் மருந்துகளை தெளிக்க வேண்டும்.

தெளிக்கும் றையும் காலம்: பயிர்களில் ஒடுனைத்தண்டுகள் தோன்ற ஆரம்பிக்கும் போது அல்லது நோய்த் தாக்கம் தெரியவந்தவுடன். 7-14 நாட்கள் இடைவெளிகளில், தேவைப்படுவது போல் மருந்துகளை தெளிக்க வேண்டும்.

பயிர்கள் மீது பூசணக்கொல்லி மருந்துகளை தெளிக்கக் கூடாத கட்டங்கள்: பயிர் நிர்வடையும் கட்டத்திலும், அறுவடைக்கு ன்பாகவும் மருந்துகளை தெளிக்கக் கூடாது.

முன் எச்சரிக்கைகள்: 1. உணவுப் பொருட்கள், காலி உணவு டப்பாக்கள் மற்றும் கால்நடை தீவனங்களுக்கு அப்பால் விலக்கி வையுங்கள். 2. வாயில், கண்களில் மற்றும் சருமத்தில் படுவதைத் தவிர்க்குங்கள். 3. தெளிப்பு துவானை உட்கொள்ளாமல் தவிர்க்குங்கள். காற்றடிக்கும் திசையிலேயே தெளியுங்கள். 4. தெளித்த பின்பு, மருந்து பட்ட ஆடைகள் மற்றும் உடல் பாகங்களை நன்கு கழுவிச் சுத்தம் செய்யுங்கள். 5. தெளிக்கும்போது புகை பிடித்தல், எதையேனும் குடித்தல், சாப்பிடுதல் மற்றும் மெல்லுதல் கூடாது. 6. கலக்கும்போதும் மற்றும் தெளிக்கும்போதும் முழு பாதுகாப்பு தரும் ஆடைகளை அணியுங்கள்.

நன்மை பயக்கும் பூச்சிகள் மற்றும் தீம்பூச்சிகளை வேட்டையாடும் உயிரினங்கள் மற்றும் தேனீக்களுக்கு தீங்கு ஏற்படாதிருக்க தேவைப்படும் எச்சரிக்கைகள்:

விஷம் தரக்கிய அறிகுறிகள்: குமட்டல், வாந்தி, அடிவயிற்று வலி, வயிற்றுப்போக்கு, நடுக்கம், சுவாசப் பாதை மற்றும் நுரையீரல்களில் எரிச்சல் ஏற்படலாம்.

முதலுதவி: 1. விழுங்கியிட்டால், நோண்டியபின் விரலையிட்டு வாந்தி ஏற்படத் தூண்டவும். வாந்தி நிரம்ப நீர்கும் வரை அப்படி செய்யவும். நாக்குண்டாவி மயக்கத்தில் இருந்தால் வாந்தி ஏற்படச் செய்ய கூடாது. 2. ஆடைகளும் சருமமும் மாசுபட்டால், ஆடைகளை நீக்கி, சோப்பு அதிக நீரினாலும் சருமத்தை கழுவவும். 3. கண்கள் மாசுபட்டால், 10-15 நிமிடங்களுக்கு உப்புக்குடான நீரினால் கழுவவும். 4. உட்கொண்டிருந்தால், மருந்தைப் பாலாகவோ தாராளமாக தாராளமாக இடத்திற்கு கொண்டு செல்லவும். 5. நாக்கடப்பட்ட அறிகுறிகள் ஏதேனும் தெரியவந்தால், தாமதிக்காமல் மருத்துவ உதவியைப் பெற வேண்டும்.

விஷ முறிவு மருந்து: குறிப்பிட்ட விஷ முறிவு மருந்து ஏதுமில்லை. அறிகுறிகளுக்கேற்ப சிகிச்சை அளிக்கவும்.

பயன்படுத்தகிற பின்பு காலி டப்பாக்களை அப்புறப்படுத்துதல்: 1. சுற்றுப்புறச்சூழல் மற்றும் நீர்நிலைகள் மாசுபடுவதைத் தவிர்க்க பேக்கேஜுகள் அல்லது எஞ்சிய மருந்து மற்றும் எந்திரங்கள் மற்றும் தெளிப்பான்கள் மற்றும் டப்பாக்களை கழுவிய நீரை பாதுகாப்பான முறையில் அப்புறப்படுத்துவது தயாரிப்பாளர்களின் மற்றும் தெளிப்பவர்களின் கடமையாகும். 2. பயன்படுத்திய டப்பாக்களை மீண்டும் பயன்படுத்துவதை தடுக்க, அவற்றை வெளியில் விட்டுவைக்கப்படக் கூடாது. 3. காலி டப்பாக்கள் உடைக்கப்பட்டு மனித நடமாட்டம் இடத்தில் புதைக்கப்பட வேண்டும்.

பத்திரப்படுத்த விதிகள்: 1. பூஞ்சாணக் கொல்லி உள்ள டப்பாக்களை இதர பொருட்களை பத்திரப்படுத்தும் அறைகளில் அல்லது கட்டிடத்தில் இருந்து தூரத்தில் தனி அறைகள் அல்லது கட்டிடங்களில் பத்திரப்படுத்தி வைக்க வேண்டும். அல்லது மருத்தின் அளவு மற்றும் தன்மையைப் பொறுத்து தனி அலமாரிகளில் பூட்டி வைக்கலாம். 2. பூஞ்சாணக்கொல்லி டப்பாக்களைபத்திரப்படுத்தி வைக்கப்படும் இடம் நல்ல கட்டுமானம், நல்ல வெளிச்சம், உலர்வு நல்ல காற்றோட்டம் உடன் மருந்து ஆவியாகி காற்றை மாசுபடுத்தாமல் தவிர்க்க போதுமான பரப்பளவுடனும் இருக்க வேண்டும்

எச்சரிக்கை: 1. பேரில் மற்றும் கையேட்டில் கொடுக்கப்பட்டிருக்கும் பயிர்களைத் தவிர்த்து வேறு பயிர்கள் மற்றும் பூச்சிகள் மீது இதைப் பயன்படுத்தக் கூடாது. 2. அறுவடைக்கு பிறகு இந்த மருந்தைப் பயன்படுத்தக் கூடாது. 3. கையேட்டில் எழுதப்பட்டிருப்பதைப் போல இதன் கொள்கலன்களை அழித்துவிடவும்.

எச்சரிக்கை: 1. தேனீக்களுக்கு இந்த தயாரிப்புப் பொருள் நஞ்சாகும் என்பதால் பூக்க ஆரம்பிக்கும் போது அல்லது மலர் தாவரங்கள் மீது மருந்தை தெளிக்கக் கூடாது. தேனீக்கள் கருவூட்டப்பாகப் பயிர்களுக்கும் வேளையில் மருந்தைத் தெளிக்கக் கூடாது. 2. தயாரிப்புப் பொருள் மீன்களுக்கு நஞ்சாகும் என்பதால் செயற்கை மீன் வளர்ப்பு இடங்களில் இதைப் பயன்படுத்தக் கூடாது. 3. மண்புழுக்களுக்கு தயாரிப்பு நஞ்சாகும் என்பதால் , மருந்தைப் பயன்படுத்தும் என்னர் கையேட்டைப் படித்து நன்றாகப் புரிந்து கொள்ள வேண்டும். 4. காலி கொள்கலன்களை மறுபயோகம் செய்வது ஆபத்தானது.

இரசாயனக் கலவை:

தியோபானேட் மெதைல் டெக் (94% w/w அடிப்படையில்)	74.46% w/w
ப்ரெசிபிடேட்டட் சிலிகா	17.54% w/w
ஒட்டும் காரணி (பசை)	2.00% w/w
சஸ்பென்டிங் காரணி (சிஎம்சி)	2.00% w/w
நனைப்புக் காரணி (அல்கில் ஆரில் சல்போனேட் (ஐடெட்-10)	2.00% w/w
பரப்பும் காரணி அல்கில் நாப்தில் சல்போனேட் டாமால், டி-என்	2.00% w/w
மொத்தம்	**100.00% w/w**

থায়োফেনেট মিথাইল 70% ডব্লিউপি
মিল্ডুভিপ
সিস্টেমিক ছত্রাকনাশক

এটি হল একটি পদ্ধতিমূলক ছত্রাকনাশক যার মধ্যে সক্রিয় উপাদান হিসাবে থায়োফেনেটের পরিমাণ হল 70% এবং বাকি অংশে আছে অ্যাডজুভ্যান্টস।

অনুমোদন :

শস্য (সমূহ)	কীটের সাধারণ নাম	মাত্রা / হেক্টর		জলের মধ্যে দ্রবণ (লিটার)	শেষ স্প্রে করার দিন থেকে ফসল তোলার দিন পর্যন্ত অপেক্ষাকাল (দিন)
		এআই (গ্রাম)	সিপ্রেপ (গ্রাম)		
পিজিওন পি	ফুসেরিয়াম উইল্ট	1000	1430	750-1000	7
নাউ	গুঁড়ো ছত্রাক	1000	1430	750-1000	1
গম	বাদামী মরচে	500	715	750-1000	14
	পাতা লেকেলি রোগ	500	715	500	14
মিলাট্টা	আগুঁটির দাবে পঁচা	500	715	750-1000	7
পেঁপে	গুঁড়ো ছত্রাক	500	715	750-1000	4-8
উচেঃ	অ্যান্থ্রাকনোজ	1000	1430	750-1000	1
আপেল	ছাপ ছাপ দাগ	500	715	750-1000	3

পুনঃপ্রবেশ সময়কাল : ২৪ ঘন্টা

ব্যবহার বিধি : ন্যাপস্যাক স্প্রেয়ার, ফুট স্প্রেয়ার, কম্প্রেসন ন্যাপস্যাক স্প্রেয়ার একটি অ্যাসপি-এইচটিপি পাওয়ার স্প্রেয়ার, ইত্যাদি।

আবহাওয়া পরিস্থিতি (সাধারণত): পণ্যটি বিশেষ করে সকাল এবং বিকালবেলায় প্রয়োগ করা উচিৎ। প্রবল হাওয়া থাকলে এটির প্রয়োগ থেকে বিরত থাকা উচিৎ। বৃষ্টি ছাড়া পরিস্থার আবহাওয়ায় এটি প্রয়োগ করুন।

প্রয়োগের জন্য ফসলের অবস্থা : উদ্ভিজ দশা থেকে ফুল এবং ফল ধরার অবস্থা।

প্রয়োগের পদ্ধতি এবং সময়: যখন উদ্ভিদ থেকে অনুভূমিক স্টোলন বা বক্তধাবক বের হওয়া শুরু হয় অথবা যখন প্রথমবার রোগের প্রাদুর্ভাব দেখা দেয়, তখন পণ্যটি প্রয়োগ করুন। প্রয়োজন হলে ৭ থেকে ১৪ দিনের ব্যবধানে প্রয়োগের পুনরাবৃত্তি করুন।

ফসলের সেই সমস্ত অবস্থা যখন কোনও ফসলের উপর ছত্রাকনাশক প্রয়োগ করা উচিৎ নয়: এটি ফসলের পরিপক্কতার সময় এবং ফসল কাটার ঠিক আগে প্রয়োগ করা উচিৎ নয়।

সাবধানতা : 1. খাদ্যদ্রব্য, খাবারের খালি পাত্র এবং পশুর খাদ্য থেকে দূরে সরিয়ে রাখা প্রয়োজন। 2. মুখ, চোখ ও ত্বকের সংস্পর্শ থেকে বাঁচিয়ে চলতে হবে। 3. স্প্রে'র ছিটা যেন নিশ্বাসের সাথে শরীরের মধ্যে না চলে যায়। বাতাসের দিকে নির্দেশ করে স্প্রে করতে হবে। 4. স্প্রে করার পরে শরীরের উন্মুক্ত অংশ এবং জল সাবান দিয়ে ভাল করে ধুয়ে ফেলতে হবে। 5. এটি ব্যবহারের সময় কিছু খাওয়া, পান বা কিছু চিবানো অথবা ধূমপান করা যাবে না। 6. মিশ্রণ বানানো এবং স্প্রে করার সময় হাতে গ্লাভস, মুখের উপর মুখোশ এবং সুরক্ষামূলক সরঞ্জাম ব্যবহার করতে হবে।

বন্ধুকীট যেমন মৌমাছি এবং কীটের প্রাকৃতিক শত্রুর ক্ষতি থেকে বিরত থাকতে সতর্কতা অবলম্বন করতে হবে।

বিষক্রিয়ার উপসর্গগুলি : মাথাঘোরা, বমি হওয়া, পেটে ব্যথা, আমাশা, কাঁপুনি, গলা এবং ফুসফুসে আলা হতে পারে।

প্রাথমিক চিকিৎসা: 1. গিলে ফেলালে টাগড়ায় আঙুল ঢুকিয়ে বমি করান। বমির তরল স্বচ্ছ না হওয়া পর্যন্ত বারবার করুন। রোগী অচেতনা থাকলে বমি করাবেন না। 2) পোশাক ও ত্বক সংক্রামিত হ'লে, পোশাক বদলে দিন এবং সাবান ও প্রচুর জল দিয়ে দূষিত ত্বক ধুয়ে দিন। 3) চোখ দূষিত হ'লে প্রচুর স্যালাইন/পরিষ্কার জল দিয়ে প্রায় 10 থেকে 15 মিনিট ধাপ্টা দিন। 4) শ্বাসে থেকে রোগীকে মুক্তবায়ুতে সরিয়ে দিন। 5) বিষক্রিয়ার লক্ষণ দেখা গেলে অবিলম্বে চিকিৎসকের পরামর্শ নিন।

প্রতিষেধক : বিশেষ কোন প্রতিষেধক জানা নেই। উপসর্গ অনুসারে চিকিৎসার প্রয়োজন।

ব্যবহৃত পাত্রের বিনষ্টিকরণ : 1. প্রস্তুতকর্তা মিশ্রণকারী এবং ব্যবহারকারীর দায়িত্ব হল কীট নাশক ধোয়া জল, অতিরিক্ত অব্যবহৃত বস্তু, মেশিনধোয়া জল এবং খালি পাত্রগুলিকে সাবধানতার সাথে নষ্ট করা যাতে পরিবেশদূষণ অথবা জলদূষণ না হয়। 2. দ্বিতীয়বার যাতে ব্যবহার না করা যায় এজন্যে ব্যবহৃত প্যাকেজগুলিকে বাইরে ফেলে রাখবেন না । 3. প্যাকেজগুলিকে ভেঙে জনবসতি থেকে দূরে মাটির তলায় পুঁতে ফেলতে হবে।

সংগ্রহ : 1. ছত্রাক নাশকের প্যাকেজগুলিকে রাখতে হবে প্রকৃত প্যাকিং-এর মধ্যে আলাদা ঘরে বিশেষত খাদ্য দ্রব্য এবং পশুর খাদ্যের সংস্পর্শে না আসে এমন একটি জায়গায় আলমারীর মধ্যে তালা চাবি দিয়ে, বস্তুটির মান ও পরিমাণের উপর নির্ভর করে।

2. এই কীটনাশক যেখানে রাখা হবে সেই ঘরটি হতে হবে দৃঢ়, পোক্ত, আলো হাওয়া এবং যথেষ্ট আয়তনযুক্ত যাতে জলীয়বাষ্পের সাহায্যে ছড়িয়ে না পড়ে ও ছোঁয়াচ না লাগে। শিশুদের হাতের নাগালের বাইরে রাখুন।

সতর্কতা : 1. লেবেল এবং লিফলেটে উল্লেখ করা ফসল ছাড়া অন্য কোনো ফসল বা কীটে প্রয়োগ করবেন না, 2. ফসল তোলার পরে প্রয়োগ করা যাবে না, 3. লিফলেটে দেওয়া নির্দেশ অনুযায়ী পাত্র নষ্ট করে ফেলতে হবে।

সতর্কতা : 1. এই পণ্যটি মৌমাছিদের জন্য বিষাক্ত। ফুলের উপর বা ফুল ধরেছে এমন ফসলের উপর স্প্রে করবেন না কারণ স্প্রে ফোঁটা তার উপর পড়তে পারে। দিনের সেই সময় যখন মৌমাছিরা খাদ্য সংগ্রহের জন্য সক্রিয় থাকে তখন স্প্রে করবেন না। 2. মাছেদের জন্য পণ্যটি বিষাক্ত। জলজ চাষের নিকট পণ্যটির প্রয়োগ থেকে বিরত থাকতে হবে। 3. কেঁচোর জন্য পণ্যটি বিষাক্ত। ব্যবহারের পূর্বে লিফলেটটি ভালো করে পড়ুন এবং বুঝে নিন। 4. খালি পাত্রগুলি পুনরায় ব্যবহার করা বিপজ্জনক।

কেমিক্যাল কম্পোজিশন :

থায়োফেনেট মিথাইল টেক (94% ডব্লিউ / ডব্লিউ-এর উপর ভিত্তি করে) 74.46% w/w

প্রেসিপিটেটেড সিলিকা	17.54% w/w
স্টিকিং এজেন্ট (গ্লু)	2.00% w/w
সাসপেন্ডিং এজেন্ট (সিএমসি)	2.00% w/w
ওয়েটিং এজেন্ট (অ্যালকাইল অ্যারাইল সালফোনেট (আইডেট - 10)	2.00% w/w
ডিসপার্সিং এজেন্ট অ্যালকাইল ন্যাপথেইল সালফোনেট টামল ডি-এন	2.00% w/w
মোট	**100.00% w/w**

থায়'ফেনেট মিথাইল 70% ডব্লিউপি
মিলড্যুব্লিপ
অন্তর্বপ্রবাহী ভেঁকুবনাশক

ই হ'ল এবিধ অন্তর্বপ্রবাহী ভেঁকুবনাশক য'তে আছে সক্রিয় উপাদানকপে থায়'ফেনেট মিথাইল 70% আক বাকীযিনি হ'ল অন্য এডজুভেন্টচ।

অনুমোদন :

শস্য	বোগব সাধাবণ নাম	মাত্রা / হেক্টেব		নিমলাবব বাবে পানী (লিটাব)	শেষ প্রয়োগব পবা চপোরাব মাজত বব লগা সময় (দিন)
		স উ. গ্রাম	ফর্মুলেশন গ্রাম		
অবব	ফুজারিয়াম উইল্ট	1000	1430	750-1000	7
কোমোবা	পাউডাবী মিলডিউ	1000	1430	750-1000	1
বৌঁছ	মুগা বকমোহা বোগ	500	715	750-1000	14
	পাত লেকেলি বোরা	500	715	500	14
মিলাট্টা	আগুঁটিব দাবে পাঁচা	500	715	750-1000	7
অমিতা	পাউডাবী মিলডিউ	500	715	750-1000	4-8
জাতিলাউ	এনথ্রেকনোজ	1000	1430	750-1000	1
আপেল	ছব বোগ	500	715	750-1000	3

পুনঃপ্রবেশব সময়সীমা: ২৪ ঘন্টা

ব্যবহাবব নির্দেশ : লেপচেক স্প্রেয়াব, ফুট স্প্রেয়াব, কম্প্রেশ্যন নেপচেক স্প্রেয়াব আক অম্পী-এইচটিপি পাৱাব স্প্রেয়াব আদি ব্যবহাব কবিব।

বতবব অবস্থা (সাধাবণতে) : বাতিপ্ৰবা আক গধ্লি প্রয়োগ কবিলে ভাল। উীবৃ বতাহব তলত প্রয়োগ এবক । ববষুণ নোহোবাকৈ পবিস্ত্রাব বতবত প্রয়োগ কবিব লাগে ।

প্রয়োগব বাবে শস্যব পর্যায়: গছ-গছনিব পর্যায়ব পবা ফুল আক ফলব চেটিং পর্যায়লৈকে ।

প্রয়োগব ধবণ আক সময : যেতিয়া গছ-গছনিয়ে ৰানাব নুমুবাবলৈ আৰম্ভ কবে বা যেতিয়া প্রথমবাবব বাবে বোগ দেখা দিয়ে তেতিয়া প্রয়োগ কবিব লাগে । প্রয়োজন অনুসবি ৭ ব পবা ১৪ দিনব ব্যবধানত পুনবাবৃত্তি কবিব লাগে ।

যিবোব পর্যায়ত কোনো শস্যত ভেঁকুবনাশক প্রয়োগ কবিব নালাগে : শস্য পবিপক্ক হোৱাব সময়ত আক শস্য চপোৱাব ঠিক আগতে প্রয়োগ কবিব নালাগে ।

সতর্কতাসমূহ : 1) খাদ্য সামগ্রী, খাদ্য সামগ্রী ৰখা খালী পাত্র আক পশু খাদ্যব পবা দূবত বাখিব । 2) মুখ, চকু আক ছালত লাগিবলৈ নদিব । 3) স্প্রে কণিকা উশাহত যাবলৈ নদিব। বতাহব সৌতব ধকে দিশতহে স্প্রে কবিব। 4) স্প্রে কবাব শেষত দূষিত হোৱা কাপোব-কানি আক গাব দূষিত অংশসমূহ ভালদবে ধুই পেলাব। 5) স্প্রে কবাব সময়ত কোনো ধৰণব খোৱা-বোৱা বা ধূমপান নকবিব। 6) মিহলোৱাব আক স্প্রে কবাব সময়ত সম্পূর্ণ সুবক্ষিত সাজ-পোছাক পিন্ধি লব।

উপকাৰী কীট-পতঙ্গ যেনে, মৌমাখি আক কীটসমূহব প্রাকৃতিক শত্রুবোৰব ক্ষতি পবা ৰক্ষা কবিবলৈ অৱলম্বন কবা সতৰ্কতাসমূহ

বিষক্রিয়াব লক্ষণসমূহ : ওকালি, বমি, পেটব বিষ, ডায়েৰিয়া, কঁপনি, শ্বাস নলী আক হাওঁগাওঁত প্রদাহ আদিয়ে দেখা দিব পাৰে।

প্রাথমিক সাহায্য: 1) যদিহে পেটলৈ গৈছে, ডিঙিব ভিতৰত সুৰুৱাই দি বমি কবাবাব। বমিব তৰলবিধ পবিস্ত্রাব নোহোৱালৈকে এনেকে কবি কবাই থাকিব। যেতিয়া অচেতন হৈ পৰি থাকিলে বমি কবাবাবলৈ চেষ্টা নকবিব। 2) যদিহে কাপোৰ-কানি আক গাব ছাল দূষিত হৈছে, কাপোৰ-কানি খুলি পেলাব আক দূষিত অংশসমূহ প্রচুৰ পানীৰে চাবোন ঘষি ধুই পেলাব। 3) চকুত লাগিলে, প্রায় ১০-১৫ মিনিট সময় ধৰি প্রচুৰ পবিমাণব নিমখীয়া/পবিস্ত্রাব পানী চকুলৈ ছটিয়াই চকু ধুব। 4) উশাহত যাবিহে হৈছে, বোগীক মুকলিব বিশুদ্ধ বতাহলৈ লৈ যাব। (5) বিষক্রিয়াব কোনো লক্ষণ দেখা দিলে, তৎক্ষণাত চিকিৎসকব পবামৰ্শ লওঁব ।

বিষয় : কোনো বিশেষ বিষয়ব বিষয়ে জনা নাযায়। লক্ষণ অনুযায়ী চিকিৎসা চলাব।

খালী পাত্রব বিনষ্টিকবণ : 1) এই কীটনাশকব উৎপাদনকর্তা আক ফর্মুলেটব তথা ব্যৱহাবকর্তাব কর্তব্য হ'ল খালী পেকেজ, অৱশিষ্ট দ্রব্য আৰু মেচিন, পাত্র ধোৱা-পযলা কবা পানী আদি তেওঁলোকে এনেদবে নিবাপদে নষ্ট কবা উচিত যাতে তাৰম্বাবে পবিবেশ আক পানীব কোনো প্রদূষণ ঘটিব নোৱাবে। 2) খালী পেকেজব পুনব ব্যৱহাব বোধ কবিবলৈ সেইবোব বাহিবতে ৰখি অহা অনুচিত। 3) খালী পেকেজবোব ভাঙি-ডিঙি জনবসতিব পবা আঁতবত মাটিব তলত পুতি পেলোৱা উচিত।

মজুতকবণব স্থিতি : 1) ভেঁকুবনাশক থকা পেকেজবিলাক অন্যান্য সামগ্রী ৰখাব বাবে ব্যৱহাব কবা কোঠা বা ঠাইব পবা আঁতবত পৃথক কোঠা বা ঠাইত মজুত কবা উচিত অথবা ইয়াৰ পবিমাণ আক বৈশিষ্ট্যব ওপবত নিৰ্ভব কবি পৃথক আলমাবিত তলা মাৰি ৰখা উচিত।

2) এই ভেঁকুবনাশক মজুত ৰাখিব বিচবা কোঠা বা ঠাইডোমাৰ সুনিৰ্মিত, শুকান, ভালকৈ পোহৰ থকা, বতাহ চলাচল কবা আৰু বাষ্পব দ্বাবা দূষিত হ'ব নোৱাকৈ যথেষ্ট আহল-বহল হোৱা উচিত।

সতৰ্কীকবণ: 1. লেবেল আক হাতপুথিত উল্লিখিত শস্য আক বোগসমূহব বাবে অন্য শস্য আক বোগত প্রয়োগ নকবিব। 2. শস্য হোৱাব পিছত প্রয়োগ নকবিব। 3. হাতপুথিত উল্লেখ কবাব দবে ব্যৱহাবব পিছত পাত্র নষ্ট কবি পেলাওক।

সাৱধান : 1. এই সামগ্রীটো মৌমাখিব বাবে বিষাক্ত। ফুলত বা ফুল ফুলাব শস্যব ওপবতে ড্রিফ্ট্ স্প্রেঅ্ৰ নকবিব । দিনটোৰ মৌমাখিয়ে সক্রিয়ভাবে খাদ্য বিচাৰি ফুবাব সময়ত স্প্রেঅ্ৰ নকবিব । 2. মাছব বাবে বিষাক্ত । এই সামগ্রীটো জলজ কৃষিব ওচবত পবিহাৰ কবিব পবা যায় । 3. আৰু জলভাগব লগত মিহলি হোৱাব পবা বিষব বাবে থাকিব লাগে । 4. কেঁচুব বাবে বিষাক্ত । ব্যৱহাবব আগতে লিফলেটখন পঢ়ক আৰু বুজি লওক । 5. খালী পাত্রবোব পুনব ব্যৱহাব কবাটো বিপজ্জনক ।

বাসায়নিক গঠন :

থায়'ফেনেট মিথাইল টেকনিকেল (94% w/w-ৰ ভিত্তিত) 74.46% w/w

প্রিচিপিটেটেড সিলিকা	17.54% w/w
ষ্টিকিং এজেন্ট (গ্লু)	2.00% w/w
চাচপেন্ডিং এজেন্ট (চিএমচি)	2.00% w/w
ৱেটিং এজেন্ট (এলকিল এৰিল চালফ'নেট (আইডেট-10)	2.00% w/w
ডিস্পাৰ্জিং এজেন্ট এলকিল নেপথিল চালফ'নেট টেম'ল ডি-এন	2.00% w/w
মুঠ	**100.00% w/w**

থায়োফেনেট্ মিথাইল্ 70% ডব্লিউ পি
মৈল্ডুবিপ্
সিস্ট্রমিক্ ফংগিসাইড্

থায়োফেনেট্ মিথাইল্ 70% ডব্লিউ পি সজীব চেৰুবযুক্ত বাঙ্কো প্রবৰ্তমান প্রেৰকগুলিও অন্তৰ্ভাগীয়িত্বুল্লু অন্তৰ্নব্যুত্পন্ন শেষীযুক্তুল কুমীল নাগলীনাযুলীৰ্ ।

শুচুপাৰ্শকল্ড

বীল্(কল্)	কীটশ্তানিন্ট্ সাধাৰণন পেৰ্	ডোসেজ্/হেক্		বেল্লুশ্তাৰ্ল নোৰ্ম্প্রিক্লেশ্ (ঞ্)	অবসাসন শুল্লিক্ৰ বীল্লুবয়্যুল্লিন্ত্ব ইয়েযোৰ্ল কাশ্তাৰ্লিৰ্ল্ কাল্লযল্লুব্
		এ.এচ্ (গ্রাম)	ফোর্মুল্যেশন্ (গ্রাম)		
শুচুবয়্যুল্লিন্ত্ব	এযুসোৰিয়া পীৰিট্	1000	1430	750-1000	7
মেশশ্শ	পোডী প্যুল্লুৰী	1000	1430	750-1000	1
গোযোশব্	লবীট্ প্যুল্লুৰী	500	715	750-1000	14
	ল্লুৰ চীযৰী	500	715	500	14
শকলেল্লী	গীৰ্ণ্ৰোৰ্ল্	500	715	750-1000	7
পপ্যুযা	পোডী প্যুল্লুৰী	500	715	750-1000	4-8
চীৰল্লু	অৰ্যাসকনোসব্	1000	1430	750-1000	1
আপ্যুল্ল্	চীকশ্	500	715	750-1000	3

**বীনিয়ুও প্রবেযশীকল্যুশ্শ্শ্শ